कानपुर, गुरुवार, 15 जनवरी, 2026
वर्षः 03, अंकः 18, पृष्ठः 8+4
प्रधान संपादकः पुरुषोत्तम द्विवेदी
सच्चाई के दम पर जोश के साथ...
www.swarajindianews.com
swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews
सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड अगर फांसी देते हैं, तो आप कुछ भयानक देखेंगे...>Pg12
गंदगी व अतिक्रमण पर नगर आयुक्त का एक्शन ... > Pg03
मूल्यः 2 ₹

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई FIR पर रोक, पश्चिम बंगाल सरकार को नोटिस, तीन दिन में जवाब तलब

ममता जी! क्यों कराई ED पर FIR

आई-पैक छापेमारी मामला

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को बड़ा कानूनी झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ED) के अधिकारियों के खिलाफ दर्ज FIR पर अंतरिम रोक लगा दी है। ED की याचिका पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने पश्चिम बंगाल सरकार को नोटिस जारी कर तीन दिन के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 3 फरवरी को होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि संवैधानिक और केंद्रीय जांच एजेंसियों को उनके वैधानिक दायित्व निभाने से रोका नहीं जा सकता और उनके कामकाज में किसी भी प्रकार की बाधा कानून के दायरे में स्वीकार्य नहीं है। कोर्ट ने कहा कि लोकतंत्र में व्यवस्था के हर अंग को स्वतंत्र रूप से अपना काम करने का अधिकार होना चाहिए। यदि कानून का उल्लंघन हुआ है तो उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले में विस्तृत सुनवाई जरूरी है, ताकि कानून का उल्लंघन करने वाले बच न सकें।

➪ अगली सुनवाई 3 फरवरी को, कोर्ट की सख्त टिप्पणी जांच एजेंसियों के काम में बाधा नहीं डाल सकते

बता दें कि यह विवाद श्वष्ठ की जांच के दौरान एजेंसी के अधिकारियों पर राज्य पुलिस द्वारा FIR दर्ज किए जाने से जुड़ा है। ED ने इसे प्रतिशोधात्मक और जांच में बाधा डालने वाला कदम बताते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अदालत के इस आदेश को केंद्रीय जांच एजेंसियों को मिली बड़ी राहत माना जा रहा है। वहीं शीर्ष अदालत के इस रुख के बाद बंगाल की राजनीति में हलचल और तेज हो गई है, खासकर ऐसे समय में जब विधानसभा चुनाव नजदीक हैं।

खबरः एक नजर में

- ED अधिकारियों के खिलाफ FIR पर अंतरिम रोक सुप्रीम कोर्ट ने लगाई
- पश्चिम बंगाल सरकार नोटिस, तीन दिन में जवाब दाखिल करने के निर्देश
- कोर्ट की दो टूक जांच एजेंसियों के काम में बाधा नहीं डाली जा सकती
- ED की दलील वैधानिक कार्रवाई के दौरान FIR दर्ज कराना जांच को प्रभावित करने की कोशिश
- संघीय ढांचे पर टिप्पणी केंद्रीय एजेंसियों के अधिकारों का सम्मान जरूरी
- अगली सुनवाई 3 फरवरी को, राज्य सरकार के जवाब के बाद आगे की दिशा तय होगी

फर्जी हॉलमार्किंग पर BIS की सर्जिकल स्ट्राइक

स्वराज इंडिया ब्यूरो

नई दिल्ली- कानपुर ।फर्जी हॉलमार्किंग के खिलाफ भारतीय मानक ब्यूरो (ब्ढ्ढस्) ने बड़ा और निर्णायक कदम उठाया है। अब सोने-चांदी के आभूषणों पर केवल मोहर ही नहीं, बल्कि ॥ढ्ढष्ठ (हॉलमार्क यूनिक आईडी) के जरिए जेवर की पूरी डिजिटल पहचान अनिवार्य होगी। इस नई व्यवस्था से ज्वेलरी सेक्टर में पारदर्शिता बढ़ेगी और ग्राहकों का भरोसा मजबूत होगा।

कानपुर में अखिल भारतीय सरकार विकास परिषद के अध्यक्ष पुष्पेंद्र जायसवाल ने बताया कि ब्ढ्ढस् के महानिदेशक संजय गर्ग ने स्पष्ट किया है कि फर्जी हॉलमार्किंग अब किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके लिए ब्ढ्ढस् ने पूरी तरह डिजिटल और एंड-टू-एंड ट्रैक एंड ट्रेस सिस्टम लागू करने का निर्णय लिया है।

➪ HUID के साथ फोटो, वजन और ट्रैकिंग अनिवार्य, ज्वेलरी होगी पूरी तरह डिजिटल

संजय गर्ग, पुष्पेन्द्र जायसवाल।

पोर्टल पर दिखेगी जेवर की पूरी कुंडली

नई व्यवस्था के तहत हर आभूषण की फोटो, सटीक वजन, HUID नंबर, हॉलमार्किंग सेंटर की जानकारी सीधे BIS केयर पोर्टल पर अपलोड की जाएगी। इससे ज्वेलरी की पहचान पूरी तरह डिजिटल हो जाएगी। इस सिस्टम में रिटेलर और अंतिम ग्राहक तक जेवर की पूरी यात्रा दर्ज होगी। ग्राहक HUID नंबर डालकर यह जान सकेंगे कि हॉलमार्क किस केंद्र ने लगाया। जेवर किस दुकान पर बेचा गया, वजन और अन्य विवरण सही हैं या नहीं।

ग्राहकों को मिलेगा भरोसा, कारोबार होगा ईमानदार

इस नई पहल से जहां ग्राहकों को धोखाधड़ी से सुरक्षा मिलेगी, वहीं ज्वेलरी कारोबार में ईमानदारी और जवाबदेही बढ़ेगी। BIS का यह कदम ज्वेलरी सेक्टर में अब तक का सबसे बड़ा सुधार माना जा रहा है। HUID आधारित डिजिटल ट्रैकिंग से फर्जी हॉलमार्क, वजन में हेराफेरी और नकली जेवर बेचने वालों पर सीधी कार्रवाई संभव हो सकेगी।

केशव प्रसाद मौर्य से मिले पूर्व जिलामंत्री हर्षित श्रीवास्तव

लखनऊ में भेंट कर कानपुर की ट्रैफिक व्यवस्था और युवाओं की भागीदारी पर की चर्चा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के पूर्व जिलामंत्री और सामाजिक कार्यकर्ता हर्षित श्रीवास्तव लाला ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर नव वर्ष की शुभकामनाएं दी गईं और जनहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।

भेंट के दौरान हर्षित श्रीवास्तव लाला ने कानपुर शहर की बिगड़ती ट्रैफिक व्यवस्था और प्रमुख चौराहों पर फैली अव्यवस्था का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक के नाम पर आम जनता को अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा है। कई स्थानों पर ट्रैफिक सिपाहियों द्वारा जबरन रोक-टोक और उत्पीड़न की शिकायतें सामने आ रही हैं, जिससे जनता में नाराजगी है और इसका सीधा असर सरकार की छवि पर पड़ रहा है।इसके साथ ही उन्होंने पुलिस प्रशासन द्वारा पार्टी कार्यकर्ताओं की लगातार अनदेखी और मनमानी कार्यशैली का विषय भी उठाया। हर्षित श्रीवास्तव ने कहा कि कार्यकर्ता ही संगठन की रीढ़ होते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर उनकी समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है।

इस पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने स्पष्ट कहा कि संगठन सरकार से बड़ा होता है और संगठन कार्यकर्ताओं से चलता है। उन्होंने आश्वस्त किया कि कार्यकर्ताओं के सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार और पार्टी दोनों में कार्यकर्ताओं का पूरा सम्मान सुनिश्चित किया जाएगा।

वार्ता के दौरान राजनीति में युवाओं की अधिक से अधिक भागीदारी पर भी जोर दिया गया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा शक्ति के बिना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत नहीं किया जा सकता। कानपुर सहित प्रदेश भर की जन समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

हर्षित श्रीवास्तव लाला ने बताया कि कानपुर की यातायात व्यवस्था, नागरिक सुविधाएं, युवाओं के रोजगार और शिक्षा से जुड़े मुद्दों को लगातार उठाया जाता रहेगा, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

भेंट सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई और जनहित से जुड़े विषयों पर सकारात्मक पहल का भरोसा दिलाया गया।

32 जगहों पर बिक रहे नशीले पदार्थ, 14 क्षेत्रों में अतिक्रमण

»थानेदारों को कार्रवाई करने का निर्देश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। शहर में 32 जगहों पर नशीले पदार्थों की बिक्री हो रही है, जिसमें महिलाएं, पुरुष और कई शातिर जुड़े हुए हैं। प्रमुख बाजारों और मुख्य मार्गों समेत 14 क्षेत्रों में अतिक्रमण की समस्या है। यह शिकायतें ऑपरेशन 500 के अंतर्गत कमिश्नरी पुलिस के पास आई है। इसमें कार्रवाई शुरू हो गई है। पुलिस 22 आरोपियों को जेल भेज चुकी है, जबकि थानेदारों को अभियान चलाकर कार्रवाई करने का निर्देश है। अतिक्रमण के खिलाफ नगर निगम के साथ मिलकर कार्रवाई जारी है।

कमिश्नरी पुलिस की ओर से नशीले पदार्थों की बिक्री, दलालों, भ्रष्टाचारियों और किसी भी तरह के अपराध में लिप्त लोगों के खिलाफ कार्रवाई के लिए ऑपरेशन 500 चलाया गया। यह ऑपरेशन 11 दिसंबर से शुरू हुआ, जिसके लिए अलग व्हाट्सएप नंबर जारी हुआ था। इसमें 500 घंटे तक शिकायतों को लिया गया। संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध विनोद कुमार सिंह ने बताया कि ऑपरेशन 500 के अंतर्गत 156 शिकायतें आई हैं, जिनमें से 130 का निस्तारण हो गया है। नशीले पदार्थों की बिक्री और तस्करों के खिलाफ अभियान जारी है। पुलिस आमजन के सहयोग से नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़े लोगों को पकड़ रही है। अतिक्रमण के लिए नगर निगम के साथ अभियान चलाया जा रहा है।

यहां मिली नशीले पदार्थों की बिक्री की शिकायतें

किदवई, बाबूपुरवा, काकादेव, पनकी, कल्याणपुर, सचेंडी, चमनगंज, बेकनगंज, मूलगंज, बर्रा, गोविंदनगर, बिल्हौर, घाटमपुर।

अतिक्रमण की वजह से लग रहा जाम

पी रोड, बजरिया, कल्याणपुर पनकी रोड, गुमटी नंबर पांच, गोविंदनगर, किदवईनगर, कर्रही रोड, स्वरूपनगर, चकेरी, श्यामनगर, रावतपुर आदि।

नौ माह से बंद पड़े KFCL को अब संचालित करेगा अदाणी समूह

20 दिसंबर को समूह के अधिकारी करने आए थे निरीक्षण

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। पनकी स्थित केएफसीएल प्लांट अब अदाणी समूह के पास चला गया है। एनसीएलटी की मंजूरी के बाद समूह ने प्लांट का निरीक्षण कर लिया है। भारी कर्ज और सब्सिडी मानकों की समस्या के कारण पिछले साल बंद हुए इस प्लांट के फिर से चालू होने से कानपुर के औद्योगिक विकास को गति मिलने की उम्मीद है। कानपुर फर्टिलाइजर एंड केमिकल्स लिमिटेड (केएफसीएल) को अदाणी समूह चलाएगा। पनकी स्थित इस प्लांट को पिछले साल एक अप्रैल से बंद कर दिया गया था। 20 दिसंबर 2025 को समूह के अधिकारियों ने प्लांट का निरीक्षण किया था।

इस दौरान प्लांट की क्षमता, संपत्तियों, कर्मचारियों आदि का ब्योरा जुटाया था। पूर्व में जेपी एसोसिएट ग्रुप की ओर इसका संचालन किया जा रहा था। केएफसीएल में चांद छाप यूरिया खाद का उत्पादन किया जाता था। बाद में भारत छाप यूरिया नाम से उत्पादन किया जाने लगा था।

प्रतिदिन 2100 मीट्रिक टन यूरिया का उत्पादन होता था। पिछले साल गेल ने बकाया राशि के चलते केएफसीएल की गैस की सप्लाई बंद कर दी थी। केएफसीएल के प्रबंधन ने गेल अधिकारियों से कहा था कि बाजार में जो यूरिया उपलब्ध है। और सरकार से आने वाली सब्सिडी से उनके बकाया राशि का भुगतान किया जाएगा। इसके तहत दिसंबर 2024 और जनवरी 2025 में गेल को 538 करोड़ का भुगतान भी किया गया था। इसी बीच केस्को ने बकाया राशि के भुगतान के लिए बिजली काट दी थी।

प्लांट में उत्पादन बंद कर दिया गया था

इसके बाद में केंद्र सरकार की ओर से जो सब्सिडी के भुगतान के लिए एनर्जी का मानक तय किया गया था, वह 31 मार्च 2025 तक ही मान्य था। इसका नवीनीकरण भी सरकार ने नहीं किया था।

इसके बाद एक अप्रैल 2025 से पर्याप्त सब्सिडी के एनर्जी मानक के आदेश की अनुपस्थिति में प्लांट में उत्पादन बंद कर दिया गया था। साथ ही कर्मचारियों को हटाने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई थी।

तमाम कर्मचारियों का जेपी एसोसिएट की अन्य कंपनियों में तबादला भी किया गया था।

गंदगी व अतिक्रमण पर नगर आयुक्त का एक्शन

सिद्धनाथ मंदिर कॉरिडोर से लेकर शहर के प्रवेश द्वार तक बारीक निरीक्षण

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। नगर निगम के नगर आयुक्त द्वारा 14 जनवरी 2026 को जोन-2 अंतर्गत जाजमऊ क्षेत्र का व्यापक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण पुरानी चुंगी जाजमऊ, नई चुंगी जाजमऊ से होते हुए सिद्धनाथ घाट मंदिर तक किया गया। इस दौरान साफ-सफाई, अतिक्रमण, जल निकासी और मंदिर कॉरिडोर से जुड़ी व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की गई।

निरीक्षण में सिद्धनाथ मंदिर कॉरिडोर के अंतर्गत कराए गए निर्माण कार्यों की स्थिति देखी गई। बताया गया कि लगभग 4 करोड़ रुपए की लागत से सड़क, फुटपाथ, स्ट्रीट लाइट, मंदिर गेट, प्रांगण में मार्बल, फर्श एवं शिव की विभिन्न मुद्राओं के म्यूरल्स का निर्माण कराया गया है, जो दिसंबर 2024 तक पूर्ण हो चुका है। नगर आयुक्त ने निर्देश दिए कि संपूर्ण परियोजना की पुनः तकनीकी जांच कर यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी कार्य मानकों के अनुसार पूर्ण हैं या नहीं।

निरीक्षण के दौरान स्थानीय लोगों ने मंदिर प्रांगण के आसपास गंदे पानी की समस्या उठाई, जिससे श्रद्धालुओं

सीएंडडी वेस्ट पर नगर आयुक्त दिखे नाराज

को जलाभिषेक में कठिनाई हो रही है। इस पर तत्काल समाधान के निर्देश दिए गए। मंदिर परिसर के चारों ओर से आ रहे दूषित जल को एकत्र कर शोकपिट के माध्यम से बायोरेमेडिएशन कराकर गंगा में प्रवाहित करने का आदेश दिया गया। यह कार्य एक सप्ताह में हर हाल में शुरू कराने के निर्देश दिए गए।

मंदिर परिसर की चोक नालियों की दो दिन में सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

निरीक्षण में नई चुंगी से दुर्गा मंदिर मोड़ तक सड़क के दोनों ओर भारी अतिक्रमण पाया गया। निष्प्रयोज्य वाहन, अवैध होर्डिंग, जगह-जगह गंदगी और सीएण्डडी वेस्ट मिलने पर कड़ी नाराजगी जताई गई। अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाने, कचरा उठाने और संबंधित से यूजर चार्ज वसूलने के निर्देश दिए गए।

शहर के मुख्य प्रवेश द्वार नई चुंगी अंडरपास और ओवरब्रिज क्षेत्र की स्थिति को बेहद खराब पाया गया। दीवारों पर जमी धूल, गंदगी और जल निकासी की अव्यवस्था पर दो दिन में सफाई, धुलाई और मरम्मत कराने के आदेश दिए गए। ओवरब्रिज के नीचे लाल पत्थरों की नियमित धुलाई सप्ताह में कम से कम दो बार अनिवार्य की गई।

नई चुंगी से पुरानी चुंगी तक के मार्ग पर ग्रीनबेल्ट, फुटपाथ और सड़क के किनारे फैली गंदगी, दुकानों के बाहर कूड़ा और धंसी पुलियाओं को तत्काल ठीक कराने के निर्देश दिए गए। यह भी कहा गया कि यह शहर का मुख्य प्रवेश मार्ग है, यहां किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान फुटपाथों पर अस्थायी दुकानें, पंचर की दुकानें और अस्थायी टैम्पो स्टैंड पाए गए। आम जनता को हो रही परेशानी को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को स्वयं फुटपाथ पर चलाकर स्थिति का जायजा लिया गया। संयुक्त निरीक्षण कर नियमित अभियान चलाने, अतिक्रमण हटाने और यूजर चार्ज वसूली के निर्देश दिए गए।

नगर आयुक्त ने स्पष्ट चेतावनी दी कि सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरे किए जाएं, अन्यथा संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

साथ ही सभी जोनल अधिकारियों, अभियंताओं और स्वच्छता अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे सप्ताह में दो बार पूरी टीम के साथ अपने-अपने जोन के प्रवेश मार्गों और मुख्य मार्गों का संयुक्त निरीक्षण कर सफाई, अतिक्रमण हटाने और सीएण्डडी वेस्ट उठान की कार्रवाई सुनिश्चित करें।

इंसानों पर हमला करने वाले बाघ-तेंदुए और बंदर पिंजरों में, हर वक्त अलर्ट रहता है जू स्टाफ

कानपुर जू: जंगल के आदमखोर अब सलाखों के पीछे

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। कभी जंगलों में अपनी दहाड़ से गांवों में दहशत फैलाने वाले बाघ और तेंदुए अब कानपुर चिड़ियाघर में सलाखों के पीछे कैद हैं। ये वही आदमखोर और आक्रामक वन्यजीव हैं, जिनके नाम से पूरा इलाका कांप उठता था। इंसानों पर जानलेवा हमलों के बाद इन्हें दोबारा जंगल में छोड़ना संभव नहीं रहा, इसलिए कानपुर जू को ही इनका स्थायी ठिकाना बनाया गया है।

जू प्रशासन के मुताबिक, वर्तमान में चिड़ियाघर में 14 से अधिक ऐसे खतरनाक और आदमखोर वन्यजीव मौजूद हैं, जिन्हें सुरक्षा कारणों से खुले बाड़ों में नहीं, बल्कि विशेष पिंजरों में रखा गया है। स्टाफ का कहना है कि

चिड़ियाघर में इस समय 100 से अधिक प्रजातियों के करीब एक हजार वन्यजीव मौजूद हैं।उन्होंने बताया, जो वन्यजीव इंसानों पर हमला कर चुके होते हैं, उन्हें आमतौर पर चिड़ियाघर में ही रखा जाता है, ताकि भविष्य में कोई अप्रिय घटना न हो। केवल सामान्य व्यवहार वाले जानवरों को ही जंगल में छोड़ा जाता है।

कन्हैया पटेल, निदेशक, कानपुर प्राणि उद्यान

ये जानवर आज भी उतने ही हिंसक हैं कर्मचारियों को देखते ही गुर्राना और दहाड़ना आम बात है।

कानपुर जू के वरिष्ठ पशु चिकित्सक डॉ. मोहम्मद नासिर ने बताया कि हाल ही में पीलीभीत से लाई गई बाघिन अब तक सात लोगों पर हमला कर चुकी है, जिनमें दो की हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं पीलीभीत टाइगर रिजर्व से पकड़ा गया कुख्यात 'मल्लू बाघ' दो इंसानों की जान ले चुका है और उसकी दहाड़ आज भी जू परिसर में डर पैदा कर देती है। गोला रेंज से लाया गया तेंदुआ 'जग्गू', जिसे कर्मचारी प्यार और भय के बीच 'जग्गू दादा' कहते हैं, कई ग्रामीणों पर हमला कर चुका है। जू अस्पताल परिसर में दो बेहद हिंसक बंदर भी वर्षों से पिंजरों में बंद हैं।

ये पहले दर्शकों पर हमला कर चुके हैं और आज भी कोई पास जाता है तो झपट्टा मारने की कोशिश करते हैं। प्रदेश में वन्यजीवों के हमले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। गोरखपुर, बरेली, बहराइच, पीलीभीत और लखीमपुर खीरी में हाल के दिनों में तेंदुए, बाघ और मगरमच्छ के हमलों में कई लोग घायल हुए हैं, जबकि कई मामलों में जान भी गई है। अधिकतर मामलों में रेस्क्यू के बाद इन जानवरों को चिड़ियाघर भेजा गया।

फैक्ट फाइल

- जू में कैद आदमखोर/आक्रामक वन्यजीव : 14 से अधिक
- हालिया बाघिन (पीलीभीत) : 7 लोगों पर हमला
- 'मल्लू बाघ' : 2 इंसानों की जान ले चुका
- 'जग्गू' तेंदुआ : कई ग्रामीणों पर हमला
- कानपुर जू में कुल वन्यजीव: करीब 1000
- प्रजातियों की संख्या : 100 से ज्यादा

18 को बूथ डे,3770 बूथों पर मौजूद रहेंगे बीएलओ

मतदाता सूची का प्रकाशन 6 जनवरी को किया जा चुका है

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत मतदाता सूची से जुड़े कार्यों के लिए 18 जनवरी को बूथ डे आयोजित किया जाएगा। इस दिन जनपद के सभी 3770 मतदेय स्थलों पर संबंधित बीएलओ सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक अपने-अपने बूथों पर मौजूद रहेंगे। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि आमजन बूथ पर पहुंचकर मतदाता सूची से संबंधित कार्य करा सकते हैं।

जिलाधिकारी ने बताया कि अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की आलेख्य (ड्राफ्ट) मतदाता सूची का प्रकाशन 6 जनवरी 2026 को किया जा चुका है।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत नए मतदाताओं का पंजीकरण, नाम हटाने, प्रविष्टियों में त्रुटि सुधार, पता परिवर्तन और डुप्लीकेट मतदाता पहचान पत्र से जुड़े आवेदन स्वीकार किए जा रहे हैं।उन्होंने बताया कि नए मतदाताओं के लिए प्रारूप-6, नाम अपमार्जन के लिए प्रारूप-7 तथा प्रविष्टि सुधार, पता परिवर्तन अथवा डुप्लीकेट पहचान पत्र के लिए प्रारूप-8 भरकर 6 फरवरी 2026 तक ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय अथवा बीएलओ के पास जमा किया जा सकता है।विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत वे सभी व्यक्ति पात्र हैं, जो 01 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके हैं या कर लेंगे। इसके अतिरिक्त 01 अप्रैल, 01 जुलाई एवं 01 अक्टूबर की अर्हता तिथियों के आधार पर 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले पात्र युवाओं से भी प्रारूप-6 प्राप्त कर नियमानुसार उनके नाम मतदाता सूची में जोड़े जाएंगे।

निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय में प्रस्तुत आवेदनों से संबंधित सूचियां प्रारूप-9, 10, 11, 11-क एवं 11-ख के माध्यम से जिला निर्वाचन अधिकारी, कानपुर नगर की आधिकारिक वेबसाइट पर देखी जा सकती हैं।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने जनपद के नागरिकों से अपील की है कि वे 18 जनवरी के बूथ डे का लाभ उठाकर अपना तथा अपने परिवार के सभी पात्र सदस्यों का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराएं और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाने में सहभागिता करें।

खतौनी की गलतियां होंगी दूर, 16 जनवरी से 15 मार्च तक विशेष अभियान

» छह चरणों में होगा अंश निर्धारण सुधार, सभी तहसीलों में रोस्टर के अनुसार कार्रवाई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर । खतौनियों में खातेदारों और सह-खातेदारों के गाटों के अंश निर्धारण में हुई त्रुटियों और लोप के मामलों को दुरुस्त करने के लिए जनपद में विशेष अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान 16 जनवरी 2026 से 15 मार्च 2026 तक संचालित होगा। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अभियान को पूरी पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ पूरा किया जाए।जिलाधिकारी ने बताया कि राजस्व परिषद के निर्देशानुसार अभियान को छह चरणों में विभाजित किया गया है।पहला चरण 16 जनवरी से 22 जनवरी 2026 तक चलेगा, जिसमें ग्राम पंचायत स्तर पर लेखपाल, भू-प्रबंधन समिति और ग्राम प्रधानों की उपस्थिति में खातेदारों व सह-खातेदारों के गाटों का अंश पढ़कर सुनाएंगे।दूसरा चरण 23 जनवरी से 7 फरवरी 2026 तक रहेगा, इस दौरान प्राप्त आपत्तियों के आधार पर लेखपाल अभिलेखों की जांच कर रिपोर्ट तैयार करेंगे।

तीसरे चरण में 8 फरवरी से 22 फरवरी 2026 तक राजस्व निरीक्षक स्तर पर जांच और संस्तुति की जाएगी।इसके बाद चौथा चरण 23 फरवरी से 4 मार्च 2026 तक चलेगा, जिसमें तहसीलदार स्तर पर परीक्षण कर विवादित प्रकरणों में आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे।पांचवां चरण 5 मार्च से 11 मार्च 2026 तक निर्धारित है, जिसमें स्वीकृत मामलों में संशोधन आदेश जारी किए जाएंगे।

अंतिम छठा चरण 12 मार्च से 15 मार्च 2026 तक चलेगा, जिसमें संशोधन आदेशों के अनुसार खतौनी में प्रविष्टि कराकर अभियान का समापन किया जाएगा।सभी प्रकरण भूलेख खतौनी अशुद्धि सुधार पोर्टल पर दर्ज किए जाएंगे। न्यायालयों से संबंधित आदेशों की जानकारी भी सार्वजनिक की जाएगी, ताकि खातेदार रोस्टर के अनुसार निर्धारित तिथियों पर उपस्थित हो सकें।जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने स्पष्ट किया कि अंश निर्धारण से जुड़ी सभी त्रुटियों का समाधान हर हाल में किया जाएगा। अभियान की साप्ताहिक समीक्षा होगी और तय समय-सीमा में कार्यवाही पूरी न होने पर संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

मकर संक्रांतिः गंगा घाटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। आस्था और विश्वास का महापर्व मकर संक्रांति जिले भर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर शहर से लेकर बिठूर के प्रमुख गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। तड़के सुबह से ही श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए पहुंचने लगे।श्रद्धालुओं ने पवित्र गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित किया, सूर्य नमस्कार किया और विधि-विधान से पूजन कर दान-पुण्य किया। घाटों पर हर-हर गंगे के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। भीड़ को देखते हुए प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। सभी घाटों पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। जल पुलिस भी अलर्ट मोड पर रही। वहीं नगर निगम की टीमें लगातार साफ-सफाई और व्यवस्थाओं को बनाए रखने में जुटी रहीं।

मकर संक्रांति के दिन पवित्र नदियों में स्नान, दान और सूर्य उपासना का विशेष महत्व माना जाता है। इस दिन तिल, गुड़, खिचड़ी और वस्त्रों के दान की परंपरा है। कई क्षेत्रों में इसे खिचड़ी पर्व के नाम से भी जाना जाता है। मान्यता है कि इस दिन किए गए दान-पुण्य से सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

सम्पादकीय

सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करें कंपनियां

गिग वर्कर्स की हड़ताल और उनके मुश्किल हालात को लेकर समाज में बढ़ती फिक्र के बाद हुए सरकारी हस्तक्षेप से गिग वर्कर्स की बड़ी मुश्किल हल हुई है। कोहरे-ठंड और बेतरतीब ट्रैफिक के बीच गिग-वर्कर्स पर दस मिनट में सामान उपभोक्ता तक पहुंचाने का दबाव एक बड़े तनाव की वजह बना हुआ था। गिग-वर्कर्स को हीमैन मानकर द्रुत गति से वाहन दौड़ाकर अपनी जान जोखिम में डालनी पड़ती थी। कुछ डिलीवरी ब्वॉयज के दुर्घटनाग्रस्त होकर जान गंवाने व घायल होने के भी समाचार थे। अब यह सुखद ही है कि केंद्रीय श्रममंत्री मनसुख मांडविया के हस्तक्षेप के बाद क्रिक कॉमर्स कंपनियां कष्टदायक दस मिनट में डिलीवरी की व्यवस्था खत्म करने को तैयार हो गई हैं। इटर्नल के स्वामित्व वाली इकाई ब्लिंकिट, जिसने दस मिनट में डिलीवरी को अपने कारोबार की आक्रामक विज्ञापन रणनीति का हथियार बना लिया था, ने अब अपने मंचों से दस मिनट में डिलीवरी का दावा हटा लिया है। निश्चित रूप से यह अमानवीय ही था कि बेकारी का त्रास झेलते युवाओं पर आनन-फानन दस मिनट में सामान उपभोक्ता तक पहुंचाने का दबाव बनाया जाए। लंबी ड्यूटी, कम पैसा और जल्दी सामान पहुंचाने के दबाव में बड़ी संख्या में गिग-वर्कर्स काम छोड़ जाते थे। आजकल ठंड के मौसम में उपभोक्ता घर से बाहर निकलने से परहेज कर रहे हैं। अतः उत्तर भारत में भीषण सर्दी और कोहरे के बीच दस मिनट में तेजी से सामान पहुंचाना दुष्कर कार्य था। भारत में आम ट्रैफिक की जटिल स्थिति किसी से छिपी नहीं है। सड़क हादसों के कारण उनका जीवन जोखिम में बना रहता था। इतना ही नहीं, कई बार डिलीवरी ब्वॉयज को बहुमंजिला इमारतों और कालोनियों के सुरक्षा गार्डों से जूझना पड़ता था, जिससे उन्हें सामान पहुंचाने में देरी हो जाती थी। फिर उपभोक्ता के मोबाइल पर मिले ओटीपी के बाद उनका सामान डिलीवर माना जाता था। समय पर सामान की डिलीवरी न होने पर उनके कार्य प्रदर्शन का मूल्यांकन कमतर आंका जाता है। दरअसल, गिग वर्कर्स को अच्छी रैंक तभी मिलती है जब वे दस मिनट में सामान पहुंचा देते हैं, जिसके चलते वे मानसिक तनाव में रहते थे।

उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों दस मिनट में डिलीवरी का दबाव झेलते तथा मेहनताने में कमी आदि मांगों को लेकर गिग-वर्कर्स ने देशव्यापी हड़ताल की थी। हालांकि, कंपनी मालिकों ने साल के आखिरी दिनों में उत्सव के माहौल में डिलीवरी बाधित होते देख हड़ताल को कामयाब नहीं होने दिया, लेकिन इस हड़ताल से पूरे देश का ध्यान गिग-वर्कर्स की जायज मांगों की तरफ गया। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा समेत कई राजनेताओं ने भी गिग-वर्कर्स के मुद्दे को जोर-शोर से उठाया। पिछले दिनों ध्यान आकर्षण के लिए बाकायदा राघव चड्ढा डिलीवरी ब्वॉय की ड्रेस पहनकर सामान डिलीवर करने भी गए।

निस्संदेह, डिलीवरी ब्वॉयज का काम बेहद चुनौतीपूर्ण है, काम के घंटे बहुत ज्यादा हैं और उसके अनुपात में मेहनताना बेहद कम है। इन्हीं चिंताओं के बाद केंद्र सरकार द्वारा लाया गया नया लेबर कोड चर्चा में आया, जिसमें उल्लेख है कि गिग वर्कर्स की सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उन्हें पर्याप्त सुविधाएं नियोक्ता कंपनी द्वारा दी जाएं। यह विडंबना ही है कि गिग वर्कर्स की मेहनत से क्रिक कॉमर्स कंपनियों का कारोबार तो तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन गिग वर्कर्स की माली हालत नहीं सुधरी है। यही वजह है कि बड़ी संख्या में गिग वर्कर्स थोड़े समय काम करके नौकरी छोड़ देते हैं।

विविधता में भारत की एकता का उत्सव

यशवंत सचदेव

हमारी संस्कृति में संगम का बहुत महत्व है। इस पहलू से भी काशी-तमिल संगमम एक अनूठा प्रयास है। इसमें जहां भारत की विविध परंपराओं के बीच अद्भुत सामंजस्य दिखता है, वहीं पता चलता है कि कैसे हम एक- दूसरे की परंपराओं का सम्मान करते हैं। कुछ दिन पहले ही मुझे सोमनाथ की पवित्र भूमि पर सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में हिस्सा लेने का सुअवसर मिला। इस पर्व को हम वर्ष 1026 में सोमनाथ पर हुए पहले आक्रमण के एक हजार साल पूरे होने पर मना रहे हैं। इस क्षण का साक्षी बनने को देश के कोने-कोने से लोग सोमनाथ पहुंचे। यह इस बात का प्रमाण है कि भारतवर्ष के लोग जहां अपने इतिहास और संस्कृति से गहराई से जुड़े हैं, वहीं कभी हार न मानने वाला साहस भी उनके जीवन की बड़ी विशेषता है। यही भावना उन्हें एक साथ जोड़ती भी है। इस कार्यक्रम के दौरान मेरी मुलाकात कुछ ऐसे लोगों से भी हुई, जो इससे पहले सौराष्ट्र-तमिल संगमम के दौरान सोमनाथ आए थे और इससे पहले काशी-तमिल संगमम के समय काशी भी गए थे। ऐसे मंचों को लेकर उनकी सकारात्मक सोच ने मुझे बहुत प्रभावित किया। मैंने तय किया कि क्यों ना इस विषय पर अपने कुछ विचार साझा करूं।

'मन की बात' के एक एपिसोड में मैंने कहा था कि अपने जीवन में तमिल भाषा न सीख पाने का मुझे बहुत दुख है। हमारा सौभाग्य है कि बीते कुछ वर्षों से हमारी सरकार तमिल संस्कृति को देश में और लोकप्रिय बनाने में निरंतर जुटी है। यह 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को और सशक्त बनाने वाला है। हमारी संस्कृति में संगम का बहुत महत्व है। इस पहलू से भी काशी-तमिल संगमम एक अनूठा प्रयास है। इसमें जहां भारत की विविध परंपराओं के बीच अद्भुत सामंजस्य दिखता है, वहीं पता चलता है कि कैसे हम एक- दूसरे की परंपराओं का सम्मान करते हैं। काशी तमिल संगमम के आयोजन के लिए काशी सबसे उपयुक्त स्थान कहा जा सकता है। यह वही काशी है, जो अनादि काल से हमारी सभ्यता की धुरी बनी है। यहां हजारों वर्षों से लोग ज्ञान, जीवन के अर्थ और मोक्ष की खोज में आते रहे हैं। काशी का तमिल समाज और संस्कृति से गहरा नाता रहा है। काशी बाबा विश्वनाथ की नगरी है, तो तमिलनाडु में रामेश्वरम तीर्थ है। तमिलनाडु की तेनकासी को दक्षिण की काशी या दक्षिण काशी कहा जाता है। पूज्य कुमारगुरुपर स्वामिजि ने अपनी विद्वता और आध्यात्म परंपरा के माध्यम से काशी और तमिलनाडु के बीच सशक्त और स्थायी संबंध स्थापित किया था। तमिलनाडु के महान सपूत महाकवि सुब्रमण्यम भारती जी को भी काशी में बौद्धिक विकास और आध्यात्मिक जागरण का अद्भुत अवसर दिखा। यहीं उनका राष्ट्रवाद और प्रबल हुआ, साथ ही उनकी कविताओं को एक नई धार मिली। यहीं पर स्वतंत्र और अखंड भारत की उनकी संकल्पना को स्पष्ट दिशा मिली। कई उदाहरण हैं, जो काशी व तमिलनाडु के बीच गहरे आत्मीय संबंध दर्शाते हैं।वर्ष 2022 में वाराणसी की धरती पर काशी-तमिल संगमम की शुरुआत हुई थी। मुझे इसके उद्घाटन समारोह में शामिल होने का सौभाग्य मिला था। तब तमिलनाडु से आए लेखकों, विद्यार्थियों, कलाकारों, विद्वानों, किसानों और अतिथियों ने काशी के साथ-साथ प्रयागराज और अयोध्या के दर्शन भी किए। इसके बाद के आयोजनों में इस पहल को और विस्तार दिया गया। इसका उद्देश्य था कि संगमम में समय-समय पर नए विषय जोड़े जाएं, नए और रचनात्मक तरीके अपनाए जाएं व इसमें लोगों की भागीदारी ज्यादा से ज्यादा हो। प्रयास था कि ये आयोजन अपनी मूल भावना से जुड़े रहकर भी निरंतर आगे बढ़ता रहे। वर्ष 2023 के दूसरे आयोजन में टेक्नोलॉजी का बड़े पैमाने पर उपयोग किया गया, ताकि सुनिश्चित हो कि भाषा इसमें बाधा न बने। इसके तीसरे संस्करण में इंडियन नॉलेज सिस्टम पर विशेष फोकस रखा गया। साथ ही शैक्षिक संवादों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, प्रदर्शनियों और संवाद सत्रों में लोगों की बड़ी भागीदारी नजर आयी। हजारों लोग इनका हिस्सा बने। काशी-तमिल संगमम का चौथा संस्करण 2 दिसंबर, 2025 को आरंभ हुआ। इस बार की थीम बहुत रोचक थी- तमिल करकलम? यानि तमिल सीखें...। इससे काशी और दूसरी जगहों के लोगों को खूबसूरत तमिल भाषा सीखने का अनूठा अवसर मिला। तमिलनाडु से आए शिक्षकों ने काशी के विद्यार्थियों के लिए इसे अविस्मरणीय बना दिया!

चिंता बढ़ाते जंगली जानवरों के हमले

उत्तराखंड में गहराता संकट

डा0 सुधीर कुमार

इस साल भालू के हमले से छह लोग मारे गये। उत्तराखंड में पिछले बीस सालों में भालुओं और मानवों के बीच संघर्ष की 1630 घटनाएं हुईं हैं और यह लगातार बढ़ रही हैं। पिछले पच्चीस सालों में राज्य में काले भालुओं ने 2009 लोगों पर हमले किए हैं। आज पूरी दुनिया बढ़ते वन्यजीव-मानव संघर्ष से चिंतित है, जिसे वैज्ञानिक जलवायु परिवर्तन से जुड़ी वैश्विक और स्थानीय परिस्थितियों से जोड़ते हैं। हाल ही में केंद्रीय वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में भी यह मुद्दा उठाया गया। इसमें बताया गया कि हिमालयी क्षेत्रों में वन्यजीवों का आबादी वाले क्षेत्रों में आना बढ़ा है, जिससे संघर्ष भी बढ़ रहा है। सुझाव दिया गया कि संवेदनशील क्षेत्रों में वैज्ञानिक अध्ययन कर इन टकरावों का मूल कारण जानकर समाधान किया जाए। इसके बाद, उत्तराखंड सरकार ने पौड़ी गढ़वाल में बढ़ते वन्यजीव-मानव संघर्ष का संज्ञान लिया और जिला प्रशासन तथा वनविभाग को गश्त बढ़ाने और बच्चों के लिए एस्कॉर्ट व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही यह भी माना कि वन्यजीवों से लोगों की सुरक्षा प्राथमिक जिम्मेदारी है।

फिर भी, पिछले साल दिसम्बर माह में लगभग प्रतिदिन जंगली जानवर बस्तियों में आम जन को हताहत करते रहे। दिसम्बर माह में ही टिहरी जिले में चारा काटते एक ग्रामीण और जिला चमोली में आंगन में खाना पकाती एक महिला पर भालू ने हमला किया। बच्चे और घास-चारा लाती महिलाएं इन हमलों का ज्यादा शिकार हो रही हैं। अधिकतर काले भालुओं का हमला हो रहा है। अपने साथियों को बचाने के लिए छात्र-छात्राएं भालू से भिड़ भी रहे हैं। इस प्रकार की घटनाओं के मध्यनजर अलग-अलग जगहों में हालातों के अनुसार स्कूल टाइमिंग बदली जा रही हैं। लंबी अवधि के लिए स्कूल बंद भी किए जा रहे हैं। अब तो देहरादून में सहसपुर ब्लॉक विद्यालय में भी भालू की पहुंच हो

गई है। थानो क्षेत्र में एक महिला जो घास लेने गई थी, उस पर भालू ने आक्रमण किया। वन अधिकारियों के अनुसार यह अपने तरह की पहली घटना थी। थानो क्षेत्र में ही हाथी ने पिछले माह ही मां-पिता के बीच स्कूटी में बैठे बच्चे को पटक कर मार दिया था। डीएम ने त्वरित रिस्पॉन्स ग्रुप बनाया है। नियमित निगरानी, सेंसर-बेस्ड तेज आवाज करने वाले उपकरण, सोलर लाइट, कैमरे, फोकस मॉनिटरिंग के विकल्प भी अपनाए जा रहे हैं। वहीं 26 दिसम्बर को गढ़वाल में उखीमठ में ओंकारेश्वर मंदिर के निकट दोपहर करीब तीन बजे जंगल की ओर से आए भालू ने घास काटती महिला को गंभीर रूप से लहूलुहान किया। 26 दिसम्बर को ही नैनीताल जिले के तोक धुरा में एक महिला पर गुलदार ने हमला कर मार डाला। महिला का शव काफी दूर मिला था। चार-पांच दिनों तक भी गुलदार को नहीं पकड़ा जा सका था। दिसम्बर माह में अधिकतर हमले विशेषकर भालुओं द्वारा किए गए। इस साल भालू के हमले से छह लोग मारे गये। उत्तराखंड में पिछले बीस सालों में भालुओं और मानवों के बीच संघर्ष की 1630 घटनाएं हुईं हैं और यह लगातार बढ़ रही हैं। पिछले पच्चीस सालों में राज्य में काले भालुओं ने 2009 लोगों पर हमले किए हैं। वन विभाग ने 2021 में तय किया था कि जीपीएस युक्त रेडियो कॉलर टैग लगाने का निर्णय लिया जाएगा। तब तक करीब 60 मौतें हो चुकी थीं। यह कार्य वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया को सौंपा गया था। उन्होंने पहले चार भालुओं को इसके लिए चिन्हित किया है, जो रुद्रप्रयाग, पौड़ी और चमोली में आतंक बने हुए हैं। वर्तमान में राज्य में करीब 500 भालू हैं, जिनकी गतिविधियों पर मानव निगरानी रखी जा रही है। इससे पहले, लेपर्ड, टाइगर और हाथियों पर भी इसी प्रकार की निगरानी की जाती रही है। भालू अधिकतर खाने की तलाश में रहता है और उसकी याददाश्त बहुत अच्छी होती है। अमेरिका, अफ्रीका और यूरोप में भालूओं के लिए कूड़े के बिन विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए हैं, ताकि वे उनमें न खेल सकें। अब उनका हाइबरनेशन समय भी कम हो गया है। पिछले 25-30 सालों में शहरीकरण और बढ़ते कूड़े के कारण भालुओं का सोने का समय घटकर करीब 64 दिन रह गया है, जो पहले दिसम्बर से मार्च तक हुआ करता था। जब कूड़ा सड़ता है, तो उसके गंध से भालू आकर्षित होते हैं। खुले में पड़ा कूड़ा, विशेषकर गांवों, नगरों और जंगली क्षेत्र के पास के स्थलों में भालुओं को आकर्षित करता है, और इस वजह से वे बस्तियों में घुस आते हैं।

गौकशी कांड: विधायक ने ठेका-लाइसेंस पर उठाए सवाल

प्रेस कॉन्फ्रेंस कर विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने जताया कड़ा एतराज

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

- कुटरा रोड पर खेत और कब्रिस्तान के बीच मिले गोवंश के अवशेष का मामला
- पालिका चेयरमैन इखलाक समेत कई पर दर्ज है गोहत्या का मुकदमा

बिल्हौर (कानपुर)। थाना बिल्हौर क्षेत्र के कुटरा रोड स्थित निर्माणाधीन पानी टंकी के पास खेत और कब्रिस्तान के बीच बड़ी मात्रा में गोवंश के कटे अवशेष मिलने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। बीते सोमवार शाम सामने आई इस घटना के बाद हिंदू संगठनों में भारी आक्रोश है। मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी न होने पर बुधवार को त्रिवेणीगंज स्थित पीडब्लूडी गेस्ट हॉउस में बिल्हौर विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की।उसके साथ विश्व हिंदू परिषद के प्रांत मंत्री राजू पोरवाल, जिला अध्यक्ष अतुल अवस्थी, जिला सह मंत्री अनिकेत भदौरिया समेत हिंदू दल के अन्य नेता मौजूद थे।

विधायक ने बताया कि थाना बिल्हौर में अपराध संख्या 0021/2026 के तहत उत्तर प्रदेश गोहत्या निवारण अधिनियम की धारा 3, 5 व 8 में मुकदमा दर्ज किया गया है। घटनास्थल से खाल, हड्डियां, सिर-पैर और खून से सने अंग बरामद होना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि यह मामला केवल मृत पशु निस्तारण का नहीं, बल्कि संगठित गोकशी से जुड़ा है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में विधायक ने जिला पंचायत, कानपुर नगर द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए दिए गए मृत पशु शव निस्तारण ठेके की शर्तों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि लाइसेंस केवल प्राकृतिक रूप से मृत पशुओं के वैज्ञानिक निस्तारण के लिए दिया गया था, जबकि आबादी और खेतों के बीच टीन शेड में शवों का संग्रह नियमों का खुला उल्लंघन है।

विधायक ने यह भी आरोप लगाया कि ठेका जिस व्यक्ति के नाम पर जारी है वह वर्तमान में कानपुर का निवासी है, उसके स्थान पर कोई अन्य व्यक्ति इसका संचालन कर रहा था। इस बिंदु की जांच धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश के एंगल से की जा रही है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने अब तक दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि शेष आरोपियों की तलाश में पांच टीमें दबिश दे रही हैं। विधायक ने पुलिस की कार्रवाई पर संतोष जताते हुए कहा कि जांच निष्पक्ष होनी चाहिए।और कहा सभी आरोपियों की जल्द गिरफ़्तारी की जाए। विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने चेतावनी दी कि यदि इस मामले को भटकाने या दबाने का प्रयास किया गया तो वे शीघ्र मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर पूरे गोकशी और अवैध डंपिंग नेटवर्क से जुड़े साक्ष्य सौंपेंगे। उन्होंने कहा कि गौ माता की गरिमा, सनातन आस्था और जनस्वास्थ्य से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाएगा।इस मौके पर कुश अग्निहोत्री समेत कई भाजपा नेता मौजूद रहे।

सपा विधायक बोले, हम चूड़ियाँ पहने नहीं बैठे हैं

विधायक राहुल बच्चा के विवादास्पद बयान ने राजनीतिक गलियारे में हलचल मचा दी है। आम लोग और विपक्षी दल इसे लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। इस बीच सपा के कैंट कानपुर से विधायक मोहम्मद हसन रूमी ने एक टीवी चैनल को दिए बयान में कहा कि, मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा, गिरजाघर यह सब आस्था के प्रतीक हैं। यहाँ अपने-अपने धर्म के लोग पूजा करते हैं। मैं सबका सम्मान करता हूँ। उन्होंने आगे कहा कि जिस तरह विवादित बयान देकर राजनीतिक रोटियां सेकी जा रही हैं, वह सही नहीं है। हसन रूमी ने कहा,मेरा भी चैलेंज है करके दिखाओ, हम चूड़ियाँ पहने नहीं बैठे हैं। इस बयान ने राजनीतिक महौल को और गरमा दिया है।

स्वराज इंडिया फॉलोअप

06 www.swarajindianews.com कानपुर, गुरुवार, 15 जनवरी, 2026 बिल्हौर स्वराज इंडिया

प्रतिबंधित पशुओं के अवशेष मिलने पर हंगामा, तोड़फोड़

इंस्पेक्टर, दरोगा समेत चार पुलिसकर्मी किये गये सस्पेंड

चेयरमैन समेत 10 नामजद, दो दर्जन अज्ञात पर एफआईआर

कई गाड़ियों में की गई तोड़फोड़

तहसील प्रशासन ने खंगाले सरकारी अभिलेख

ईओ ने गोवंश की गिनती की, हरा चारा खिलाया

नगर पालिका परिषद बिल्हौर की अधिशासी अधिकारी (ईओ) अंजनी मिश्रा ने बुधवार को दुर्गा मंदिर के पास स्थित अस्थायी गौशाला का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गोवंश की गिनती की, हरा चारा खिलाया और गोशाला में व्यवस्थाओं का जायजा लिया। ईओ ने कहा कि पालिका अध्यक्ष पर दर्ज गो हत्या के मामले पर सभासदों के साथ बैठक कर आगे का निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि पालिका क्षेत्र में किसी भी गोवंश से संबंधित अवशेष दिखाई देने पर उन्हें बकोटी गांव के पास उचित तरीके से डिस्पोज किया जाता है।

सियासी दबाव में कार्रवाई का आरोप, सपा ने एसीपी को सौंपा ज्ञापन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

निष्पक्ष जांच की मांग, एकतरफा कार्रवाई पर सवाल

बिल्हौर (कानपुर)। प्रतिबंधित मांस के अवशेष मिलने के मामले को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी ने बुधवार को एसीपी बिल्हौर को ज्ञापन सौंपकर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और तथ्यात्मक जांच कराने की मांग की। सपा नेताओं ने आरोप लगाया कि सत्तापक्ष के दबाव में बिना तकनीकी जांच के ही मामले को गोकशी से जोड़कर माहौल बिगाड़ा जा रहा है।

ज्ञापन में कहा गया कि जांच शुरू होने से पहले ही अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया, जिससे निष्पक्षता पर सवाल खड़े होते हैं। सपा का दावा है कि इस प्रकरण की आड़ में कुछ लोगों ने बस्तियों में तोड़फोड़ की, जिसमें कुशवाहा समाज के लोगों की दो गाड़ियां क्षतिग्रस्त हुईं और क्षेत्र में भय का माहौल बना। सपा नेत्री रचान सिंह गौतम ने बताया कि विवादित स्थल पर मृत पशुओं के निस्तारण और खाल अलग करने का वैध लाइसेंस है, इसके बावजूद पूरे मामले को गोकशी करार देना गलत है। सपा ने मांग की कि राजनीतिक दबाव में की जा रही एकतरफा कार्रवाई रोकी जाए, उच्चस्तरीय जांच कराई जाए और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएं।

मुसाफिरखाना की गंदगी देख डीसीपी वेस्ट गुस्साए

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। डीसीपी वेस्ट कासिम आबिदी बुधवार शाम को प्रशासनिक अमले के साथ मकनपुर पहुंचे और बसंत पर्व पर लगने वाले सरकारी मेले की सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

डीसीपी मुसाफिरखाना पहुंचे, जहां फैली गंदगी देखकर उन्होंने नाराजगी जताई। उन्होंने मौके पर प्रधान को चेतावनी देते हुए 24 घंटे के भीतर परिसर की साफ-सफाई कराने के सख्त निर्देश दिए। डीसीपी ने मेला कोतवाली और मेला तहसील का भी निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं में सुधार के लिए दिशा-निर्देश जारी किए। निरीक्षण में तहसीलदार अनुभव चंद्रा, एडीसीपी कपिल देव, एसीपी मंजय सिंह,अरौल इंस्पेक्टर जनार्दन यादव, मकनपुर चौकी इंचार्ज अभिषेक, लेखपाल ललित रजक और ग्राम प्रधान मजाहिर हुसैन जाफरी, मेला कमेटी सदस्य नन्द लाल पाल सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

बांदा में सिपाही ने बेटी को काट डाला, पत्नी गंभीर, हत्या कर भागा

पारिवारिक विवाद में कुल्हाड़ी से पत्नी-बेटी पर हमला, तीन साल की बच्ची की मौत

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बांदा।बांदा जिले में देर रात एक सनसनीखेज वारदात से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पीएसी में तैनात एक सिपाही ने पारिवारिक विवाद के चलते अपनी पत्नी और मासूम बेटी पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। इस हमले में तीन साल की बेटी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल पत्नी को इलाज के लिए कानपुर रेफर किया गया है। घटना के बाद से आरोपी सिपाही लापता है।

जानकारी के अनुसार, मर्का थाना क्षेत्र में पीआरवी 112 में चालक के रूप में तैनात सिपाही गौरव अपनी पत्नी शिवानी (32) और तीन वर्षीय बेटी परी के साथ मर्का कस्बे में किराये के मकान में रहता था। बुधवार को वह पत्नी और बच्ची को मकर संक्रांति मेला दिखाने ले गया था। देर रात घर लौटने के बाद किसी बात को लेकर दंपती के बीच विवाद हो गया।

बताया जा रहा है कि रात करीब नौ बजे सिपाही ने गुस्से में आकर कुल्हाड़ी से पत्नी और बेटी पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया और मौके से फरार हो गया। चीख-पुकार सुनकर पहुंचे पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। घायलों को तत्काल बांदा मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया, जबकि पत्नी की हालत गंभीर देखते हुए उसे कानपुर रेफर कर दिया गया।

सीओ बबेरू सौरभ सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला पारिवारिक कलह का प्रतीत हो रहा है। आरोपी सिपाही का मोबाइल फोन और कुछ कागजात यमुना नदी के किनारे मिले हैं, जिससे उसके नदी में कूदने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस और प्रशासन की टीमें उसकी तलाश में जुटी हुई हैं।

70वें जन्मदिन पर मायावती का चुनावी दांव 2027 के लिए सर्वजन का बिगुल

ब्राह्मण-क्षत्रिय से लेकर यादव और जाट तक साधने की कोशिश, 2007 मॉडल दोहराने का दावा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने अपने 70वें जन्मदिन के मौके पर उत्तर प्रदेश की राजनीति में बड़ा संदेश दिया। लखनऊ में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' का नारा दोहराते हुए सभी वर्गों को साथ जोड़ने की रणनीति सामने रखी। मायावती ने कहा कि यदि बसपा सत्ता में आती है तो 2007 की तरह हर समाज की आकांक्षाओं को पूरा किया जाएगा।मायावती ने विशेष रूप से ब्राह्मण और क्षत्रिय समाज को साधते हुए कहा कि इन वर्गों को अन्य दलों ने केवल बहलाने का काम किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी, कांग्रेस और सपा ब्राह्मणों को 'बाटी-चोखे' जैसे प्रतीकों से लुभाती हैं, जबकि असली सम्मान बसपा ही देती है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि बसपा सरकार में ब्राह्मणों, क्षत्रियों और वैश्य समाज के हितों के लिए ठोस फैसले लिए जाएंगे। साथ ही उन्होंने सपा के कोर वोटर माने जाने वाले यादव समाज का भी पूरा ध्यान रखने की बात कही।प्रेस वार्ता में मायावती ने एक बार फिर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर भरोसा न होने की बात दोहराई, लेकिन कार्यकर्ताओं से 2027 के चुनाव में पूरी ताकत झोंकने की अपील की। इस मौके पर उन्होंने अपनी आत्मकथा 'ब्लू बुक' के 21वें संस्करण का विमोचन भी किया और कहा कि यह पार्टी के संघर्ष और अनुभवों का दस्तावेज है, जो कार्यकर्ताओं को दिशा देगा।

समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला करते हुए मायावती ने कहा कि सपा का पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) केवल दिखावा है। उन्होंने 1995 के गेस्ट हाउस कांड का जिक्र करते हुए कहा कि सपा शासन में दलितों पर सबसे अधिक अत्याचार हुए और कांशीराम के निधन पर भी सम्मान नहीं दिया गया।

उनका आरोप था कि सपा केवल यादव समाज के एक सीमित वर्ग तक ही सिमटकर रह गई है।

छतें बनीं पावर हाउस: कानपुर में 64 मेगावाट सौर बिजली का उत्पादन

» 20,756 घर बने मिनी पावर यूनिट, 80 हजार टन कार्बन उत्सर्जन में कमी

» पीएम सूर्य घर योजना से बदली शहर की बिजली तस्वीर

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर । नगर में ऊर्जा उत्पादन का चेहरा तेजी से बदल रहा है। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत शहर की छतों पर लगाए गए सोलर रूफटॉप सिस्टम अब बिजली उत्पादन के मजबूत केंद्र बनते जा रहे हैं। जिले में अब तक 64 मेगावाट क्षमता की सौर बिजली तैयार हो रही है और 20,756 से अधिक घर सीधे तौर पर पावर यूनिट में तब्दील हो चुके हैं। उत्तर प्रदेश नेडा के आंकड़ों के अनुसार सोलर रूफटॉप स्थापना के मामले में कानपुर नगर प्रदेश में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है।

ऊर्जा विशेषज्ञों के मुताबिक 64 मेगावाट सौर उत्पादन से सालाना करीब 9.6 करोड़ यूनिट स्वच्छ बिजली तैयार हो रही है। मौजूदा बाजार दरों पर इसकी वार्षिक आर्थिक कीमत 34 से 38 करोड़ रुपये के बीच आंकी जा रही है। यदि इतनी बिजली पारंपरिक स्रोतों से ली जाती, तो सरकार और उपभोक्ताओं पर भारी आर्थिक बोझ पड़ता। सोलर रूफटॉप अपनाने वाले उपभोक्ताओं के बिजली बिलों में भी उल्लेखनीय कमी आई है।

हर दिन 80-90 नए सोलर सिस्टम

फरवरी 2024 से शुरू हुई प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के बाद जिले में सोलर रूफटॉप लगाने की रफ्तार लगातार तेज बनी हुई है। वर्तमान में प्रतिदिन औसतन 80 से 90 नए सोलर सिस्टम स्थापित किए जा रहे हैं। व्यक्तिगत आवासों के साथ-साथ बहुमंजिला इमारतों और हाउसिंग सोसाइटियों के कॉमन एरिया में भी सोलर संयंत्र लगाए जा रहे हैं।

35 लाख पेड़ों के बराबर पर्यावरणीय लाभ

ऊर्जा क्षेत्र के जानकार बताते हैं कि 64 मेगावाट सौर ऊर्जा से सालाना करीब 80 हजार टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आ रही है। यह पर्यावरणीय लाभ लगभग 35 लाख पेड़ों के बराबर माना जा रहा है। इतनी क्षमता से प्रतिदिन औसतन 30 से 35 हजार शहरी घरों की बिजली जरूरत पूरी की जा सकती है।

सब्सिडी और सस्ती ऋण सुविधा

सोलर सिस्टम की लागत प्रति किलोवाट लगभग 60 से 65 हजार रुपये है। योजना के अंतर्गत केंद्र व राज्य सरकार की ओर से एक किलोवाट पर 45 हजार रुपये तक की सब्सिडी तथा अधिकतम 1 लाख 8 हजार रुपये तक की सहायता दी जा रही है। इसके अलावा बैंकों से 6ङ्क7 प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण सुविधा भी उपलब्ध है। परियोजना अधिकारी, नेडा राकेश कुमार पाण्डेय ने बताया कि शासन के निर्देश पर योजना को तेजी से लागू किया जा रहा है और जिले में सोलर रूफटॉप की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना माननीय मुख्यमंत्री की प्राथमिकताओं में शामिल है और जनपद में इसके प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के पुखरायां आगमन को लेकर हेलीपैड बनना शुरू

चप्पे-चप्पे में पुलिस और प्रशासन की रहेगी नजर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के 18 जनवरी को पुखरायां आगमन को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। उनके आगमन के मद्देनज़र कस्बे में हेलीपैड निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

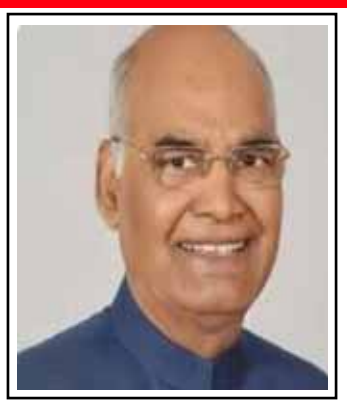

पुखरायां के प्रमुख तेल व्यापारी व समाजसेवी स्वर्गीय सतीश मिश्रा, जो पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के सहपाठी भी थे, के निधन के समय पूर्व राष्ट्रपति नहीं पहुंच सके थे। अब वे 18 जनवरी को सुबह पुखरायां पहुंचकर दिवंगत सतीश मिश्रा के परिजनों से भेंट कर शोक संवेदना व्यक्त करेंगे। पूर्व राष्ट्रपति के आगमन को लेकर बेलाही बाजार स्थित मैदान में हेलीकॉप्टर उतारने के लिए हेलीपैड बनाने की तैयारी शुरू कर दी गई है। प्रोटोकॉल की सूचना मिलते ही प्रशासनिक व पुलिस अमला पूरी तरह सक्रिय हो गया है। कस्बे में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है तथा सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसके साथ ही पुखरायां कस्बे में साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त की जा रही है। पुखरायां मेन रोड पर क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत का कार्य भी तेज़ी से कराया जा रहा है।

बेकाबू वाहन ने बाइक को मारी टक्कर युवक की मौत, किशोरी गंभीर

» किशोरी की हालत देखते हुए हैलट अस्पताल रेफर किया गया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात। रनियां थाना क्षेत्र के उमरन गांव के पास मकर संक्रांति के दिन एक भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके साथ बैठी किशोरी गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल किशोरी को प्राथमिक उपचार के बाद कानपुर के हैलट अस्पताल (एलएलआर) रेफर किया गया है।

मृतक की पहचान रूरा थाना क्षेत्र के प्रेमापुर निवासी अंकित कुमार प्रजापति (20) के रूप में हुई है। वह अपनी मां के साथ रनियां के शिवाजी नगर में किराए के मकान में रहकर काम करता था। मकर संक्रांति पर अंकित अपनी मां को उनके मायके नंदपुर छोड़कर ड्यूटी पर गया था। शाम को ड्यूटी समाप्त होने के बाद वह दीक्षा पाल (18) को बाइक पर बैठाकर अकबरपुर की ओर जा रहा था।

उमरन गांव के पास अचानक पीछे से आए एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को तत्काल मेडिकल कॉलेज भिजवाया। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद अंकित कुमार को मृत घोषित कर दिया। वहीं दीक्षा पाल की हालत गंभीर होने पर उसे हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया। थाना प्रभारी एसएन सिंह ने परिजनों को सूचना दे दी गई है। अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है और तहरीर मिलने पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

खिचड़ी के पर्व पर बच्चों का अनोखा संदेश

तीन गांवों में हजारों बेजुबान जानवरों को खिलाई खिचड़ी देखने वाले रह गए दंग

» बच्चों की पहल, बेजुबान जानवरों को खिलाई खिचड़ी

» बच्चों ने आपस में चंदा और सहयोग से खिचड़ी का सारा सामान एकत्र किया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात। जहां एक ओर खिचड़ी का पर्व आमतौर पर इंसानों के बीच दान-पुण्य तक सीमित रह जाता है वहीं कानपुर देहात के गजनेर थाना क्षेत्र के मंगटा गांव के नाबालिग बच्चों ने ऐसा अनोखा और दिल छू लेने वाला काम कर दिखाया कि जिसने भी देखा, देखता ही रह गया। मंगटा गांव के छोटे-छोटे बच्चों ने आपस में चंदा और सहयोग से खिचड़ी का सारा सामान एकत्र किया, फिर रघुनाथ सिंह के दरबार में विधिवत खिचड़ी बनवाई इसके बाद खिचड़ी को ठेले पर रखकर बच्चों की टोली ने मंगटा, जिंदौरा और नहोली गांवों में घूम-घूमकर कुत्तों, बंदरों, कौवों सहित हजारों बेजुबान जानवरों को बड़े प्रेम और अपनत्व के साथ खिचड़ी खिलाई

हाथ में पत्तल, चेहरे पर मुस्कान और दिल में करुणा—बच्चे जानवरों को आवाज़ देकर, बुला-बुलाकर बड़े स्नेह से खिचड़ी खिलाते नजर आए।

यह दृश्य किसी को भी भावुक कर देने वाला था इस नेक पहल के बारे में गोविंद सिंह ने बताया,

हम सब साथियों ने मिलकर तय किया कि इस बार खिचड़ी जानवरों को खिलाएंगे। ऐसा करके हमें जो खुशी मिलती है, उसे शब्दों में नहीं बता सकते। अरविंद ने कहा, इन जानवरों का कोई त्योहार नहीं होता।

हम सब मिलकर खिचड़ी का त्योहार बेजुबान जानवरों के साथ मनाते हैं। इससे हमें सच्ची खुशी मिलती है। इस कार्य में बिहारी सिंह, अभय, छोटू, प्रखर, राधे, शिवा और सुंदरम सहित कई बच्चों ने मिलकर सहयोग किया और यह साबित कर दिया कि इंसानियत और करुणा की कोई उम्र नहीं होती।

ऋषि आश्रम में हुआ खिचड़ी भोज

पूर्व प्रधान वीरेंद्र पाल ने कराया आयोजन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात के बरौर थाना क्षेत्र स्थित महोलिया ग्राम के दुर्वासा ऋषि आश्रम तट पर मकर संक्रांति का पर्व श्रद्धापूर्वक मनाया गया। सेंगुर नदी में श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई और दुर्वासा ऋषि को प्रसाद चढ़ाया।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत बिहारी के पूर्व प्रधान वीरेंद्र पाल (प्रधान ढाबा बिहारी) द्वारा दुर्वासा ऋषि आश्रम में खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। क्षेत्र से आए सैकड़ों श्रद्धालुओं ने इस भोज का आनंद लिया और प्रसाद ग्रहण किया।दुर्वासा ऋषि आश्रम तट पर तड़के से ही श्रद्धालुओं का जमावड़ा लगा रहा। मकर संक्रांति का पर्व सूर्य के धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करने पर मनाया जाता है। यह पर्व पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है, जिसमें घरों में खिचड़ी, तिल के लड्डू और मंगोड़े जैसे व्यंजन बनाए जाते हैं।खिचड़ी भोग कार्यक्रम में पूर्व प्रधान वीरेंद्र पाल के साथ ब्रजकिशोर पाल, पप्पू पाल, शिवकुमार पाल, राजेश कुमार यादव, लालजी नागर, गुरई अवस्थी, गोलू द्विवेदी, गौरव पंडित सहित क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक:** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 l **Email:** swarajindia2023@gmail.com l **Mob:** 7800009853, l **Website:** www.swarajindianews.com l **(समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)** प्रादेशिक कार्यालय:4ए/5,119/10बी, खान बिल्डिंग, पार्क रोड हजरतगंज

मकर संक्रांतिः सीएमएस ने 50 नवजातों को दिए कंबल

मकर संक्रांति पर जिला महिला चिकित्सालय में संवेदना की मिसाल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात माती। जिला महिला चिकित्सालय में मकर संक्रांति के पावन पर्व पर सेवा, संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी का सराहनीय उदाहरण सामने आया। कड़ाके की ठंड के बीच नवजात शिशुओं को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से शव शैय्या युक्त जिला महिला चिकित्सालय में 50 नवजात शिशुओं को गर्म कंबल वितरित किए गए। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) डॉ. बंदना यादव की विशेष उपस्थिति रही। उनके साथ डॉ. पुनम गुप्ता तथा एएनएम संगीता श्रीवास्तव सहित चिकित्सालय का समस्त स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहा।

कार्यक्रम के दौरान नवजातों के स्वास्थ्य की जानकारी ली गई और माताओं को आवश्यक देखभाल संबंधी सुझाव भी दिए गए।

सीएमएस ने कहा कि ठंड के मौसम में नवजात शिशुओं को अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता होती है।

ऐसे में कंबल वितरण जैसे सेवा कार्य न केवल राहत पहुंचाते हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक सोच को भी मजबूत करते हैं। कंबल पाकर नवजातों के परिजनों के चेहरे खिल उठे।

मकर संक्रांति पर निभाई अन्नदान की अनुपम परंपरा

गजनेर में खिचड़ी वितरण बना जनसेवा का महापर्व

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात माती। मकर संक्रांति जैसे पुण्य और लोकआस्था से जुड़े पर्व पर गजनेर क्षेत्र में अन्नदान, सेवा और सामाजिक समरसता देखने को मिली। गजनेर स्थित शंकर मेडिकल स्टोर पर आयोजित खिचड़ी वितरण कार्यक्रम ने न केवल पर्व की गरिमा को सार्थक किया, बल्कि मानवीय संवेदनाओं को भी सशक्त रूप से अभिव्यक्त किया।साप्ताहिक बाजार के कारण गजनेरङ्कारायपुर मुख्य मार्ग पर दिनभर चहल-पहल बनी रही। दूर-दराज के गांवों से सब्जी खरीदने आए ग्रामीणों, राहगीरों और बाजार में आने-जाने वाले लोगों को गर्मागर्म खिचड़ी परोसी गई, जिसे लोगों ने प्रसाद स्वरूप ग्रहण किया। डॉ. यश यन बाजपेई ने मेडिकल स्टोर के बाहर टेंट लगवाकर सुव्यवस्थित ढंग से खिचड़ी वितरण की व्यवस्था की। उन्होंने स्वयं उपस्थित रहकर लोगों से आग्रह किया और सेवा कार्य को पूरी निष्ठा एवं विनम्रता के साथ संपन्न कराया। सौरभ मिश्रा, गोविंद साहू, धीरज साहू, नीरज यादव, अनुराग बाजपेई एवं रामजी यादव आदि ने सहयोग किया।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया मकर संक्रांति का पर्व, हुआ खिचड़ी भोज

» समाजसेवी जगजीत संखवार ने लोगों को वितरित की खिचड़ी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रसूलाबाद कानपुर देहात। मकर संक्रांति का पर्व आपसी सौहार्द,प्रेम, एकता को दर्शाता है। खिचड़ी भोज आपसी समरसता का प्रतीक है । यह बात रसूलाबाद विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय समाजसेवी जगजीत संखवार ने कही। जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है तो इसका खगोलीय घटना को ही मकर संक्रांति कहते हैं। मकर संक्रांति का पर्व रसूलाबाद क्षेत्र में धूमधाम के साथ मनाया गया। इसी क्रम में रसूलाबाद कस्बे के बेला मार्ग पर मुख्य चौराहा पर मकर संक्रांति के अवसर पर समाजसेवी जगजीत संखवार ने स्टॉल लगाकर लोगों को खिचड़ी बाटी और आए हुए लोगों का हाल-चाल जाना। जगजीत संखवार अपने मिलनसार स्वभाव व जनहित में जुटे रहने के चलते क्षेत्र में काफी चर्चित हैं। खिचड़ी भोज में उनके साथ सर्व समाज के लोग मौजूद रहे। इस मौके पर प्रमुख रूप से आनंद द्विवेदी, दुर्गेश कुमार, आनंद वर्मा ,अतहर खान भुट्टो, जितेंद्र ठाकुर,विश्राम यादव, प्रदीप राठौर, विनोद पाल, विमलेश यादव, सतीश संखवार,कैलाश हरिश्चंद्र, सलोने पाठक, राजकुमार सविता सहित कई लोग मौजूद रहे।

मकर संक्रांति पर गरीबों को प्रधान पति ने बांटे कंबल, कराया खिचड़ी भोज

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात के मैथा ब्लॉक स्थित कारी गांव में मकर संक्रांति के अवसर पर कंबल वितरण और खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। ग्राम प्रधान पति अरविंद सिंह गौर ने भीषण ठंड को देखते हुए यह पहल की।इस दौरान गांव के गरीब, असहाय और विधवा महिलाओं को ठंड से बचाव के लिए गर्म कंबल वितरित किए गए। यह वितरण जरूरतमंदों को शीतलहर से राहत पहुंचाने के उद्देश्य से किया गया।

मकर संक्रांति के पर्व पर खिचड़ी भोज का भी आयोजन हुआ। इसमें गांव के लोगों ने एक साथ प्रसाद ग्रहण किया, जिससे सामाजिक सद्भाव का संदेश भी गया।इस अवसर पर ग्राम प्रधान पति अरविंद सिंह गौर ने कहा, नर सेवा ही नारायण सेवा है। हमारा प्रयास है कि गांव में कोई भी व्यक्ति साधन विहीन न रहे और इस ठंड में सुरक्षित रहे।

ग्रामीणों ने इस कार्य के लिए प्रधान प्रतिनिधि की सराहना की। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता राजू भदौरिया, महेंद्र सिंह सेंगर, विजय सेंगर उर्फ कल्लू सहित कई ग्रामवासी उपस्थित रहे।

देवरिया में देवी स्थान का इतिहास और अवैध मजार का सच!

देवरिया के विधायक डॉक्टर शलभ मणि त्रिपाठी द्वारा उठाए गए कदमों और न्यायालय के आदेश के बाद अवैध मजार को ध्वस्त कराया गया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

देवरिया। गोरखपुर-देवरिया मार्ग पर नये पुल के ईशान कोण में स्थित देवी स्थान न केवल जनआस्था का प्रमुख केंद्र है, बल्कि इसका इतिहास साहस, बलिदान और नारी शक्ति की अद्भुत कथा से जुड़ा है। यह स्थान सती परंपरा से जुड़ा हुआ माना जाता है और स्थानीय लोगों की गहरी श्रद्धा का केंद्र रहा है।

ऐतिहासिक मान्यताओं के अनुसार कुर्ना नदी के पश्चिमी तट पर स्थित पुरवा ग्राम क्षेत्र में कभी लखनऊ के नवाब का एक तहसीलदार रहता था, जिसे काजी कहा जाता था। उस पर नववधुओं के साथ अत्याचार के गंभीर आरोप थे। कहा जाता है कि एक क्षत्रिय नववधू की पालकी को उसके सिपाहियों ने रोक लिया, विरोध में वर और बारातियों ने संघर्ष किया और वे वीरगति को प्राप्त हुए।

नववधू को बलपूर्वक काजी के घर ले जाया गया, जहां उसने अद्भुत धैर्य और साहस का परिचय दिया। लोककथा के अनुसार उसी रात नववधू ने देवी रूप में अत्याचारी काजी का अंत किया। बाद में उसने अपने पति की चिता पर जलकर सतीत्व धारण किया। यही सती आज देवी के रूप में प्रतिष्ठित मानी जाती हैं। कुर्ना तट पर स्थित यह स्थान वर्षों से साधना और उपासना का केंद्र रहा है।

इसी स्थान से जुड़ा एक दूसरा विवादित पहलू भी सामने आता है। काजी की मृत्यु के बाद कुछ कट्टरपंथी तत्वों द्वारा उसे मर्दशहीद बताकर उसकी कब्र को पूजा जाने लगा और सरकारी भूमि पर अवैध रूप से मजार का निर्माण कर दिया गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इसके लिए कागजातों में हेरफेर भी किया गया।

इस मामले में लंबे समय तक कानूनी संघर्ष चला। अंततः देवरिया के विधायक डॉक्टर शलभ मणि त्रिपाठी द्वारा उठाए गए कदमों और न्यायालय के आदेश के बाद अवैध मजार को ध्वस्त कराया गया। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में वर्षों पुराना विवाद समाप्त हुआ और देवी स्थान की मूल पहचान पुनः स्थापित हुई।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह निर्णय आस्था, इतिहास और कानून तीनों की जीत है। देवी स्थान आज भी श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र बना हुआ है और क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक माना जाता है।

मुजफ्फरनगर जाते वक्त कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष को पुलिस ने रोका, हुई तीखी झड़प

खतौली में बैरिकेडिंग कर काफिला रोका, पीड़ितों से मिलने पर रोक का आरोप

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मुजफ्फरनगर।कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय गुरुवार को मेरठ के रास्ते मुजफ्फरनगर के लिए रवाना हुए। सिवाया टोल प्लाजा पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष गौरव भाटी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद कांग्रेसियों का काफिला मुजफ्फरनगर की ओर बढ़ा, लेकिन जिले में प्रवेश से पहले ही पुलिस ने खतौली में बैरिकेडिंग कर काफिले को रोक लिया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक और झड़प देखने को मिली।

पुलिस द्वारा रोके जाने पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हालात जंगलराज जैसे हो चुके हैं। मुजफ्फरनगर के युवक रोहित उर्फ सोनू कश्यप की सरधना क्षेत्र में जिंदा जलाकर निर्मम हत्या कर दी गई, लेकिन पुलिस पीड़ित परिवार के आरोपों के बावजूद निष्पक्ष कार्रवाई नहीं कर रही और दोषियों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। अजय राय ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए आंदोलन से भी पीछे नहीं हटेगी।

अजय राय ने आरोप लगाया कि सरकार के इशारे पर पुलिस प्रशासन पीड़ित परिवारों से मिलने तक नहीं दे रहा है, जो बेहद निंदनीय है।

प्रशासन ने केवल इसलिए इन इलाकों में धारा 144 लागू कर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया, ताकि कोई भी वहां न पहुंच सके। अजय राय ने कहा कि प्रदेश में अपराध बेलगाम हो चुके हैं और सरकार अपराधियों पर अंकुश लगाने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है।

मकर संक्रांति पर खिचड़ी खिलाकर की समाजसेवा

» समाजसेवी राजन पांडेय के आवास पर लगा गरीबो का मेला

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर जिले के प्रसिद्ध समाजसेवी राजन पांडेय ने शिवनाथपुर, कुमारगंज स्थित अपने आवास पर विशाल कंबल वितरण एवं खिचड़ी भोज कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान लगभग 15 हजार जरूरतमंदों को कंबल तथा करीब 30 हजार लोगों को भोजन कराया गया।

राजन पांडेय ने कहा कि गरीब समाज की रीढ़ हैं, उनकी सेवा से ही समाज और परिवार

सुखी रहता है। कार्यक्रम के दौरान भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य डॉ. धर्मेंद्र सिंह का जन्मदिन भी मनाया गया। आयोजन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ बड़ी संख्या में लोग और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भैंस समेत तीन शातिर चोर गिरफ्तार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्विनी कुमार पाण्डेय की टीम ने जीआईसी ओवरब्रिज के नीचे स्टेडियम मार्ग के पास तीन शातिर भैंस चोरों को धर दबोचा। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई करीब एक लाख रुपये कीमत की भैंस, वारदात में प्रयुक्त पिकअप

वाहन और पल्सर मोटरसाइकिल बरामद की। गिरफ्तार अभियुक्तों में मुन्ना चौहान, मासूम उर्फ रजा और लोकेन्द्र सिंह शामिल हैं। मुख्य अभियुक्त मुन्ना चौहान का लंबा आपराधिक इतिहास है।

शादी से पहले युवती अगवा, पिता से मारपीट व हत्या की धमकी

पूराकलंदर थाने में मुकदमा दर्ज, पीड़ित परिवार ने मांगी सुरक्षा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। बाबा का बाजार थाना क्षेत्र के ग्राम लोहटी सरैया निवासी सत्य प्रकाश मिश्रा ने अपनी पुत्री को जबरन ले जाकर गायब करने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़ित के अनुसार उनकी पुत्री की शादी 19 जनवरी 2026 को तय थी।

सत्य प्रकाश मिश्रा ने बताया कि 24 नवंबर 2025 को अयोध्या के ब्रह्मबाबा इलाहाबाद बाईपास पर दिखाई की रस्म के बाद दिनेश मिश्रा, उनकी पत्नी सुनीता मिश्रा, पुत्री शिखा मिश्रा निवासी ग्राम दसौली थाना पूराकलंदर तथा पिंटू मिश्रा निवासी पिण्डारा मुसाफिरखाना, अमेठी ने दबाव बनाकर उनकी पुत्री को अपने घर ले गए। आरोप है कि 10 जनवरी 2026 की रात युवती को उसकी मर्जी के खिलाफ चार पहिया वाहन से कहीं भेज दिया गया।

अगले दिन सुबह युवती के लापता होने की सूचना मिलने पर जब पीड़ित परिवार वहां पहुंचा तो आरोपियों ने लात-घूंसे व डंडों से मारपीट की और शिकायत करने पर बेटी के साथ अनहोनी व पूरे परिवार की हत्या की धमकी दी।

धमकियों से आहत होकर पीड़ित बेहोश हो गया। काफी प्रयास के बाद पूराकलंदर थाने में मुकदमा संख्या 26/2026 धारा 87 बीएनएस के तहत दर्ज किया गया। पीड़ित परिवार ने एसएसपी अयोध्या से बेटी की शीघ्र बरामदगी और परिवार की सुरक्षा की मांग की है।

मकर संक्रांति व माघ मेले को लेकर अयोध्या धाम में मजबूत इंतजाम

» नगर निगम ने मेला क्षेत्र में दिन-रात सफाई व्यवस्था लागू की , 960 मेला कर्मियों के साथ 528 अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। मकर संक्रांति और माघ मेले के दौरान अयोध्या धाम में उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के सुव्यवस्थित प्रबंधन के लिए नगर निगम ने व्यापक इंतजाम किए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में रामनगरी को स्वच्छ, सुरक्षित और हाईटेक सुविधाओं से युक्त बनाने पर विशेष जोर दिया गया है।

नगर निगम द्वारा मेला क्षेत्र में दिन-रात सफाई व्यवस्था लागू की गई है। इसके लिए 960 मेला कर्मियों के साथ 528 अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती की गई है। सफाई कार्य तीन पालियों में संचालित होगा। नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार के अनुसार बीएमएस मशीन, एंटी स्मॉग गन, मैकेनाइज्ड सफाई उपकरण और पीए सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मेला क्षेत्र में पर्याप्त पेयजल पाइंट, 19 मोबाइल टॉयलेट और सामुदायिक शौचालय स्थापित किए गए हैं। खुले में शौच पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। निराश्रित गोवंशों को मेला क्षेत्र से हटाकर गौशालाओं में भेजने के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं।

ठंड से बचाव के लिए आश्रय स्थलों, अलाव, गैस हीटर और कंबल वितरण की व्यवस्था की गई है। साथ ही पार्किंग, प्रकाश व्यवस्था और चेंजिंग रूम जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। प्रशासन का प्रयास है कि माघ मेला आस्था, स्वच्छता और सुचारु व्यवस्था का आदर्श उदाहरण बने।

विनय कटियार की एंट्री से भाजपा की आंतरिक राजनीति फिर गरम

अयोध्या की सियासत में कैडर बनाम समीकरण

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या विधानसभा अब सिर्फ एक सीट नहीं, बल्कि भाजपा के भीतर नेतृत्व, कैडर और गुटबाजी की असली परीक्षा बनती जा रही है। पूर्व राष्ट्रीय महासचिव विनय कटियार की अयोध्या विधानसभा से दावेदारी ने उस सियासी शतरंज को फिर बिछा दिया है, जिसमें हर चाल का असर सीधे शीर्ष नेतृत्व तक जाता दिख रहा है। तीन बार लोकसभा, दो बार राज्यसभा सांसद रह चुके, प्रदेश अध्यक्ष और राष्ट्रीय महासचिव जैसे अहम दायित्व निभा चुके विनय कटियार की वापसी की आहट ने न सिर्फ मौजूदा दावेदारों की धड़कनें बढ़ा दी हैं, बल्कि यह सवाल भी खड़ा कर दिया है कि भाजपा इस बार कैडर को तरजीह देगी या संतुलन साधने की कोशिश करेगी।

अयोध्या की राजनीति में विनय कटियार और लल्लू सिंह दोनों को खाटी कैडर नेता माना जाता है। लल्लू सिंह पांच बार विधायक और दो बार सांसद रह चुके हैं, वहीं ऋषिकेश उपाध्याय विद्यार्थी परिषद से निकलकर भाजपा के पहले महापौर बने और संगठन में मजबूत पकड़ रखते हैं। तीनों की दावेदारी ने मौजूदा विधायक वेद प्रकाश गुप्ता की स्थिति को असहज कर दिया है।

पार्टी के अंदरखाने यह चर्चा आम है कि 2017 में वेद प्रकाश गुप्ता को टिकट लल्लू सिंह की सहमति से मिला था, क्योंकि उस समय विनय कटियार ने विधानसभा की दावेदारी नहीं की थी। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। दो-दो दिग्गजों की सक्रिय दावेदारी के बीच वेद का रास्ता पहले से कहीं ज्यादा कांटों भरा नजर आ रहा है।

भाजपा नेतृत्व आयातित नेताओं और गुटबाजी के आरोपों से बचना चाहता है। ऐसे में विनय कटियार जैसे कद के नेता को नजरअंदाज करना आसान नहीं होगा। हाल ही में प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के अयोध्या आगमन पर विनय कटियार की मौजूदगी, स्वागत स्थल तक उनकी पहुंच

और मंच साझा करना इन सबने उनके वर्चस्व का सार्वजनिक संकेत दे दिया। इसके उलट अन्य स्वागत स्थलों पर प्रदेश अध्यक्ष का औपचारिक स्वागत कर आगे बढ़ जाना कार्यकर्ताओं के बीच अलग संदेश छोड़ गया। ऋषिकेश उपाध्याय की दावेदारी भी हल्के में नहीं ली जा सकती। संगठन में अच्छी पैठ, आरएसएस के करीबी माने जाना और भाजपा की जमीनी राजनीति से निकला चेहरा—ये सब उन्हें मजबूत दावेदार बनाते हैं। नगर निगम चुनाव के समय उन्हें उचित सम्मान देने का भरोसा भी नेतृत्व की ओर से दिया गया था। अब विधानसभा टिकट देकर नेतृत्व अपने उस वादे को निभा सकता है, ऐसी चर्चा संगठन में है।

गुटबाजी में कार्यकर्ताओं की दुविधा

अयोध्या महानगर में गुटबाजी की बात अब छिपी नहीं रही। एक महानगर पदाधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि प्रदेश अध्यक्ष के अवध विश्वविद्यालय में हुए बड़े कार्यक्रम की सूचना तक कई पदाधिकारियों को नहीं दी गई। नतीजा यह रहा कि कार्यकर्ता अलग-अलग स्वागत स्थलों पर भटकते नजर आए, इस डर के साथ कि कहीं उनकी मौजूदगी किसी एक गुट में न गिन ली जाए।

अयोध्या विधानसभा में उम्मीदवार का चयन अब सिर्फ जीत-हार का गणित नहीं है। यह तय करेगा कि भाजपा कैडर आधारित राजनीति को कितना महत्व देती है, गुटबाजी पर कितना नियंत्रण चाहती है और वरिष्ठ नेताओं के कद को किस तरह संतुलित करती है। विनय कटियार की दावेदारी ने इस खेल को दिलचस्प ही नहीं, बल्कि निर्णायक मोड़ पर ला खड़ा किया है।

ट्रम्प की चेतावनी के बाद विदेश मंत्री का बड़ा बयान, "फांसी का सवाल ही नहीं"

''अगर फांसी देते हैं, तो आप कुछ भयानक देखेंगे''

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

वॉशिंगटन/तेहरान। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की कड़ी चेतावनियों के बाद ईरान ने प्रदर्शनकारियों को फांसी देने के अपने फैसले से पीछे हटने के संकेत दिए हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराकची ने बुधवार को साफ कहा कि देश में किसी भी प्रदर्शनकारी को फांसी देने की कोई योजना नहीं है।

फॉक्स न्यूज के कार्यक्रम 'स्पेशल रिपोर्ट विद ब्रेट बेयर' में दिए गए इंटरव्यू में अराकची ने दो टूक कहा, "फांसी देने की कोई योजना नहीं है। फांसी का तो सवाल ही नहीं उठता।"

उधर, राष्ट्रपति ट्रम्प ने भी बुधवार को दावा किया कि ईरान में प्रदर्शनकारियों की हत्याएं रुक गई हैं।

➪ इरफान सुलतानी की प्रस्तावित फांसी पर रोक के संकेत, फॉक्स न्यूज को इंटरव्यू में ईरानी विदेश मंत्री का इनकार

इससे पहले ईरान सरकार ने देशभर में जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच प्रदर्शनकारियों पर तेज ट्रायल चलाने और जल्द फांसी देने का ऐलान किया था। बुधवार को 26 वर्षीय प्रदर्शनकारी इरफान सुलतानी को फांसी दिए जाने की खबरों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ा दी थी। इरफान सुलतानी की प्रस्तावित फांसी की खबर के बाद ट्रम्प ने ईरान को सख्त चेतावनी दी थी। ट्रम्प ने कहा था, "अगर वे फांसी देते हैं, तो आप कुछ भयानक देखेंगे।" इसके बाद ही ईरान के रुख में नरमी के संकेत सामने आए।

ट्रम्प को जान से मारने की धमकी का दावा

इसी बीच ईरान की ओर से राष्ट्रपति ट्रम्प को जान से मारने की धमकी दिए जाने का मामला भी सामने आया है। स्काई की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के सरकारी टीवी चैनल पर पर्शियन भाषा में एक संदेश प्रसारित किया गया, जिसमें 2024 में पेंसिल्वेनिया के बटलर में ट्रम्प पर हुए जानलेवा हमले की फुटेज दिखाई गई। इसके साथ संदेश था "इस बार गोली निशाने से नहीं चूकेगी।" इसे ट्रम्प के खिलाफ तेहरान की अब तक की सबसे सीधी धमकी माना जा रहा है।

रजा पहलवी पर ट्रम्प का बयान

रॉयटर्स के अनुसार, ट्रम्प ने ईरानी विपक्षी नेता प्रिंस रजा पहलवी को लेकर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि रजा पहलवी उन्हें "काफी अच्छे लगते हैं", लेकिन इस बात पर संदेह जताया कि क्या उन्हें ईरान के भीतर पर्याप्त समर्थन मिल पाएगा। ट्रम्प ने कहा, कि मुझे नहीं पता कि वे अपने देश में कैसे व्यवहार करेंगे। अगर ईरानी उन्हें स्वीकार करते हैं, तो मुझे कोई आपत्ति नहीं होगी।

अंतरराष्ट्रीय नजरें ईरान पर

ईरान के ताजा बयान से फिलहाल यह संकेत मिल रहा है कि प्रदर्शनकारियों को फांसी देने का फैसला टाल दिया गया है। हालांकि, हालात अभी भी तनावपूर्ण बने हुए हैं और अंतरराष्ट्रीय समुदाय पूरे घटनाक्रम पर करीबी नजर रखे हुए है।

नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट एंटी-नारकोटिक्स टीम का एक्शन, एक बदमाश घायल, कांस्टेबल बाल-बाल बचा

दिल्ली में लॉरेंस गैंग के शार्पशूटर्स से मुठभेड़, दो गिरफ्तार

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में बुधवार देर रात पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट एंटी-नारकोटिक्स टीम ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े दो शार्पशूटर्स को एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई हीरानाकी मोड के पास गुप्त सूचना के आधार पर की गई, जहां पुलिस ने पहले से जाल बिछा रखा था।

पुलिस को देखते ही बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में पुलिस टीम ने भी मोर्चा संभाला। दोनों तरफ से हुई गोलीबारी में एक अपराधी के पैर में गोली लग गई, जिससे वह घायल हो गया। इस दौरान एक पुलिस कांस्टेबल को भी गोली लगी, लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट पहनने की वजह से उसकी जान बच गई।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दीपक और एक नाबालिग के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से दो पिस्टल, जिंदा कारतूस और एक स्कूटर बरामद किया है। जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपी हाल ही में पश्चिम विहार और वेस्ट विनोद नगर इलाके में हुई फायरिंग की घटनाओं में शामिल थे।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक, सोमवार रात पश्चिम विहार में आउटर रिंग रोड स्थित आरके फिटनेस जिम के बाहर दो बाइक सवार बदमाशों ने कई राउंड हवाई फायरिंग की थी। रात करीब 11 बजे सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की गई। इसी मामले की कड़ियों को जोड़ते हुए पुलिस ने एनकाउंटर के बाद लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े इन शार्पशूटर्स को दबोच लिया। फिलहाल दोनों से पूछताछ जारी है और गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है।